CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 अंक- 69 रायपुर, शुक्रवार 3 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताई नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने की सरकार की नई रणनीति

‘अब जेलों में बंद नक्सलियों का होगा पुनर्वास’

जगदलपुर, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ की धरती से हमेशा के लिए नक्सलवाद का दंश खत्म हो जाए इसके लिए सक्रिय नक्सलियों के पुनर्वास की योजना लेकर आई, जिसका असर देखने को मिला. अब साय सरकार जेल में कैद नक्सलियों के भी पुनर्वास करने की योजना तैयार करने में जुटी है। बीते 2 वर्षों में 500 से अधिक माओवादी मारे गए, 3 हजार माओवादियों ने पुनर्वास किया. करीब 2 हजार माओवादियों की गिरफ्तारियां भी हुई है. नक्सल मामलों में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जेलों में बंद माओवादी जो छुट-पुट घटनाओं में शामिल रहे. ऐसे माओवादियों के प्रकरण को वापस लेने और उनका पुनर्वास कराने की योजना सरकार की है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा था कि सरकार की पुनर्वास नीति केवल कागज का पुलिंदा नहीं है, और केवल ईनाम की राशि नहीं है. पुनर्वास नीति में बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम भी शामिल है. पुनर्वास नीति के माध्यम से यह कल्पना सरकार की है कि यदि जंगल से पुनर्वास हो सकता है, तो जेलों से भी पुनर्वास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जंगल से पुनर्वास किए माओवादी जेलों में जाकर अपने परिजनों और अपने मित्रों से मिलते हैं. अगले चरण में जेलों में बंद माओवादियों को पैरोल पर निकालकर पुनर्वास केंद्रों में लाकर मिलाया जाएगा. और जिन्होंने पुनर्वास किया है वे जेलों में बंद माओवादियों को पुनर्वास के लिए प्रेरित करेंगे. जिसके बाद सरकार उनके जमानत के लिए कार्य करेगी. और जमानत पर आकर पुनर्वास केंद्रों में रहकर सामान्य जीवन जी सकते हैं।

बस्तर से सुरक्षाबल की वापसी को लेकर भूपेश बघेल के सवाल पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव का पलटवार

कहा- अपनी सरकार में पुलिस और जवानों के हाथ बांध दिए थे, इन्हें प्रदेश की खुशहाली से कोई लेना-देना नहीं

रायपुर, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। भूपेश बघेल कभी नहीं चाहते थे कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म हो. इन्हें प्रदेश के विकास और खुशहाली से कोई लेना-देना नहीं है. जब समय आएगा तो सुरक्षा जवान भी लौटाए जाएंगे. यह बात उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बार-बार नक्सलवाद खत्म होने के बाद बस्तर से सुरक्षाबल के लौटने को लेकर उठाए जा रहे सवाल पर कही। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में भूपेश बघेल के सवाल को लेकर कहा कि अपनी सरकार में पुलिस और जवानों के हाथ बांध दिए थे. जब इनकी सरकार बनी तो नक्सलियों ने खुशी मनाई थी. आज भी इनकी मंशा बार-बार स्पष्ट हो रही है।

वहीं 16,000 नक्सल प्रभावितों के पुनर्वास को लेकर कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमने हर तैयारी से अभियान शुरू किया था. जब नक्सली सरेंडर करेंगे तो उनकों अच्छा पुनर्वास मिले. दूसरी ओर आम लोगों को सरकारी सुविधाएं पहुंचाई जाए. इस तैयारी का बड़ा प्रतिफल हमें मिला है. इतने कम समय में नक्सलवाद समाप्त हुआ है। पश्चिम बंगाल में स्क्रूक की प्रक्रिया से जुड़े न्यायिक अधिकारी को बंधक बनाए जाने और उस पर आई सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी पर अरुण साव ने कहा कि हम बार-बार कहते रहे कि पश्चिम बंगाल में कानून का राज नहीं है. पश्चिम बंगाल संविधान से नहीं चल रहा है. ममता बनर्जी की तानाशाही चल रही है. आज पश्चिम बंगाल की जनता उनसे परेशान है. निश्चित रूप से आने वाले चुनाव में जनता ऐसी सरकार को उखाड़ कर फेंकेगी। वैट में छूट खत्म होने से पेट्रोल के दाम बढ़ने पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनता मजबूती से सरकार के साथ खड़ी है. हम मिलजुल कर ही इस चुनौती का सामना करेंगे. वैश्विक स्थिति ठीक होने से स्थिति में सुधार होगा। वहीं पूर्व विधायक और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े मनीष कुंजाम के बड़ी डील होने पर नक्सली कमांडर ने समर्पण करने के आरोप पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कुंजाम का आरोप बेबुनियाद और निराधार है।

महुआ बिनने जंगल गया था ग्रामीण, हाथी ने ली जान

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। मरवाही वन मंडल में हाथी ने ग्रामीण की जान ले ली। शुक्रवार तड़के जब पूरा गांव सो रहा था, तब महुआ बीनने जंगल गए एक वृद्ध पर हाथी ने जानलेवा हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना मरवाही वन परिक्षेत्र के सिवनी बीट की है। ग्राम पंचायत पोंडी के अंतर्गत आने वाले डडिंया गांव के जंगल में सुबह करीब 4 बजे 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह महुआ बीनने गए थे। इसी दौरान उनका सामना एक दंतैल हाथी से हो गया। हाथी ने वृद्ध पर हमला कर उन्हें मौके पर ही कुचल दिया, जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि यह वही अकेला दंतैल हाथी है, जो 1 अप्रैल को कटघोरा के पसान क्षेत्र से निकला था। कुम्हारी रोड और सोन नदी पार करते हुए यह हाथी शुक्रवार सुबह डडिंयाडोंगरी के जंगलों में पहुंचा। वर्तमान में हाथी कक्ष क्रमांक 2093 के पास ही डटा हुआ है, जिससे आसपास के गांवों में भारी दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही सिवनी बीट के वनरक्षक शाहिद खान, पोंडी सरपंच हेमचंद मरावी और मरवाही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। यह इलाका मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की सीमा से बेहद करीब है, जिसे देखते हुए सीमावर्ती गांवों में भी अलर्ट जारी किया गया है। मरवाही वन मंडल ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे महुआ बीनने या लकड़ी लेने के लिए फिलहाल जंगलों की ओर रुख न करें और रात के समय विशेष सावधानी बरतें।

ब्रेकिंग न्यूज

मणिपुर में भारी संख्या में हथियार बरामद, तलाशी अभियान जारी; यूएस जाने वाले छात्रों की संख्या घटी

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (न्यूज चैनल)। भारत की समुद्री सुरक्षा को और अधिक अभेद्य बनाने की दिशा में शुक्रवार को नया अध्याय जुड़ने जा रहा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी को नौसेना में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत प्रोजेक्ट 17ए के तहत विकसित चौथा प्लेटफॉर्म है, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती देता है। 6,670 टन वजनी इस युद्धपोत का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि. ने किया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी स्टील्थ क्षमता है, जिससे यह रडार की नजरों से बचकर दुश्मन पर प्रहार करने में सक्षम है। 75त्न से अधिक स्वदेशी उपकरणों से सुसज्जित इस जहाज के निर्माण में देश के 200 से अधिक एमएसएमई का योगदान रहा है। यह युद्धपोत सुपरसोनिक मिसाइलों और आधुनिक एंटी-सबमरीन प्रणाली से लैस है। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक अनोखी परंपरा देखने को मिली, जहां धार्मिक जुलूस के कारण एयरपोर्ट को करीब 5 घंटे के लिए बंद करना पड़ा। यह कदम श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के ‘पैनकुनी अरट्टू’ उत्सव के चलते उठाया गया। गुरुवार शाम करीब 4ः45 बजे से रात 9 बजे तक उड़ानों को रोका गया। इस दौरान मंदिर का जुलूस एयरपोर्ट के रनवे से होकर शंखुमुगम बीच तक गया।

चूहा- हिमाचल प्रदेश में अब दलबदल करने वाले विधायकों को पेंशन नहीं दी जाएगी।
चुहिया- हां जी, लेकिन दलबदल करने से पेंशन से ज्यादा पैसा मिल जाएगा..!

सोनीपत एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा, पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सहित एक की मौत, तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (न्यूज चैनल)। सोनीपत से गुजरने वाले ईस्टर्न पेरिफेल एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेता खुशबाज जाटान और उनके कार चालक की मौत हो गई, जबकि एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा जखोली टोल प्लाजा के पास हुआ, जहां कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि कार का टायर पंचर हो गया था, जिसके बाद खुशबाज जाटान अपने ड्राइवर और गनमैन के साथ गाड़ी रोककर टायर बदलने के बाद पंचर लगवाने के लिए खड़े थे। इसी दौरान तेज गति से आए ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में खुशबाज जाटान और उनके ड्राइवर परममिंदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पंजाब पुलिस के सिपाही करनदीप गंभीर रूप से घायल हो गए, जो अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

अफीम की खेती मामला: कृषि विस्तार अधिकारी का निलंबन बहाल, अब तक 7 लोगों की हो चुकी गिरफ्तारी

दुर्ग, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफीम की खेती मामले में निलंबित कृषि विस्तार अधिकारी को बहाल कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित की गई ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू का निलंबन बहाल कर दिया गया है। वहीं इस पूरे मामले में अब तक सात लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

दरअसल दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में मक्के की फसल बताकर अफीम की खेती करने वाले भाजपा नेता विनायक ताम्रकार और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद जिला प्रशासन ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू को निलंबित कर दिया था। एकता साहू पर आरोप था कि उन्होंने खेतों में जाकर सर्वेक्षण नहीं किया, जिसके कारण कागजों में मक्के की फसल बताकर जमीन में अफीम की खेती होती रही। वहीं इस पूरे मामले में अब तक सात लोगों को जेल भेजा जा चुका है। फिलहाल एकता साहू को विकासखंड धमधा के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया है। बता दें कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में मक्के की फसल की आड़ में करीब 5 एकड़ जमीन पर अफीम की अवैध खेती पकड़ी गई थी। इस मामले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार सहित कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने मौके से करीब 8 करोड़ रुपए कीमत की अफीम जब्त की और सभी पौधों को उखाड़कर नष्ट किया।

अधेड़ महिला की रेप के बाद निर्मम हत्या, प्राइवेट पार्ट में मिली बोतल, पत्थर से कुचला चेहरा

अंबिकापुर, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक अधेड़ महिला के साथ दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी गईं. रिंग रोड पर शुक्रवार सुबह राहगीरों ने महिला का शव संदिग्ध हालत में देखा. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए, उन्होंने इस घटना को और भी भयावह बना दिया. महिला के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई है. उसके प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक बोतल मिलने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, महामाया मंदिर द्वार के पास शुक्रवार को एक अधेड़ महिला का संदिग्ध अवस्था में रक्त रंजित शव बरामद किया गया है. वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहा हैं. फिलाहल मृतिका की पहचान नहीं हो सकी है. गले में चोट के गंभीर निशान और चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ है. मौके पर पुलिस, एफएसएल और डॉग स्कॉड की टीम जांच करने पहुंची. सरगुजा एसपी अमोलक सिंह ढिल्लों ने मामले को लेकर बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्र के चिलम चौक में एक मटन दुकान के बाहर महिला की लाश होने की सूचना मिली. वरिष्ठ अधिकारी, एफएसएल और सायबर टीम मौके पर पहुंची है. घटना की जांच जारी है. प्रथम दृश्ट्या यह हत्या का मामला प्रतित हो रहा है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत दौरे पर रूस के डिप्टी पीएम मंटुरोव, व्यापार-ऊर्जा और पश्चिम एशिया समेत कई मुद्दों पर हुई

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (न्यूज चैनल)। रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हैं। उनका यह दौरा दो और तीन अप्रैल 2026 तक है। इस दौरान उन्होंने भारत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और पश्चिम एशिया समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि मंटुरोव ने 3 अप्रैल को नई दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ बैठक की। मंटुरोव व्यापार, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक और सांस्कृतिक सहयोग पर बने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के सह-अध्यक्ष भी हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, उद्योग, ऊर्जा और उर्वरक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात की। इसके अलावा कनेक्टिविटी, तकनीक, नवाचार और जरूरी खनिजों में नए मौकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पिछले साल दिसंबर में हुए 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के फैसलों को लागू करने की प्रगति की समीक्षा की।

खामोश करवाया गया हूँ, हारा नहीं हूँ, राघव चड्ढा का छलका दर्द!

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में डिप्टी लीडर पद से हटाया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (न्यूज चैनल)। आम आदमी पार्टी के भीतर मचे आंतरिक घमासान के बीच एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। राज्यसभा में पार्टी के चर्चित चेहरे राघव चड्ढा को डिप्टी लीडर (उप-नेता) के पद से हटा दिया गया है। इस फैसले के बाद चड्ढा ने एक कड़ा और भावुक बयान जारी करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की है। सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि उन्हें खामोश तो किया जा सकता है, लेकिन हराया नहीं जा सकता। राघव चड्ढा के लिए अब यह साफ़ हो गया है कि पार्टी के भीतर अब उनके लिए कोई जगह नहीं बची है।

आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को राज्यसभा सचिवालय को एक पत्र लिखकर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उच्च सदन में डिप्टी लीडर पद से हटाने और उनकी जगह सांसद अशोक कुमार मित्तल को इस पद पर नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया। आम आदमी पार्टी ने एक बयान में कहा, अशोक कुमार मित्तल राज्यसभा में आप के नए डिप्टी लीडर होंगे। आप ने इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय को एक आधिकारिक पत्र भेजा है।

छत्तीसगढ़ कोयला लेवी स्कैम: आरोपी देवेंद्र डडसेना को नहीं मिली जमानत, हाईकोर्ट ने कहा- आर्थिक अपराध बेहद गंभीर

बिलासपुर, 3 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला लेवी और आर्थिक अपराध से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी देवेंद्र डडसेना की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बैंच ने कहा कि आर्थिक अपराध गंभीर श्रेणी में आते हैं और ऐसे मामलों में जमानत देने में विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है।

मामला एंटी करप्शन ब्यूरो/इकोनॉमिक ऑफेंस विंग द्वारा दर्ज अपराध से जुड़ा है। इसमें आईपीसी की धारा 384, 420, 120-बी, 467, 468, 471 तथा प्रिवेन्शन ऑफ करप्शन एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के आधार पर सामने आया कि छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन पर अवैध वसूली का बड़ा नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। इस नेटवर्क के तहत प्रति टन 25 रुपये की अवैध वसूली की जा रही थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच इस सिंडिकेट ने करीब 540 करोड़ रुपये की अवैध वसूली की। इस पूरे मामले में कई नौकरशाह, कारोबारी और अन्य लोग शामिल बताए गए हैं। कोर्ट में पेश दस्तावेजों और केस डायरी के अनुसार, देवेंद्र डडसेना कथित तौर पर इस सिंडिकेट में अहम कड़ी था। उस पर अवैध वसूली की रकम लेने और बांटने का आरोप है। जब्त डायरी और गवाहों के बयान में लगभग 52 करोड़ रुपये के लेनदेन का उल्लेख मिला। जांच में यह भी सामने आया कि यह राशि राजनीतिक और अन्य खर्चों में उपयोग की गई। आरोपी की ओर से कहा गया कि उसे झूठा फंसाया गया है। कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है, केवल सह-आरोपी के बयान हैं। वहीं, राज्य सरकार ने दलील दी कि मामला गंभीर आर्थिक अपराध का है, आरोपी की भूमिका महत्वपूर्ण और सक्रिय रही है। साक्ष्य से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका है, जांच अभी जारी है, इसलिए जमानत देना उचित नहीं है। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि आर्थिक अपराध अलग श्रेणी के होते हैं और समाज व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डालते हैं। आरोपी की भूमिका गंभीर और साक्ष्यों से समर्थित दिखती है। अपराध की गंभीरता और रकम बहुत बड़ी है, ऐसे में जमानत देना न्याय के हित में नहीं होगा।

भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड हमले में खुलासा: फतेहगढ़ साहिब के अमन और गुरतेज ने फेंके थे ग्रेनेड, बस से भागे खरड़

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (न्यूज चैनल)। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 में पंजाब भाजपा कार्यालय के बाहर ग्रेनेड हमले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है। ग्रेनेड हमले के बाद आरोपियों के भागने की पूरी कहानी सीटीयू बस के सीसीटीवी कैमरों से सामने आई है। हमले के तुरंत बाद आरोपी सड़क पार कर सीटीयू की एसी बस में सवार हुए और खरड़ पहुंचकर भाग निकले।

दोनों की पहचान फतेहगढ़ साहिब के गांव रतनगढ़ निवासी अमरप्रीत ऊर्फ अमन और गुरतेज के रूप में हुई है। बुधवार शाम करीब 5ः53 बजे हमले के दो मिनट के भीतर आरोपी सेक्टर-37/24 बस स्टॉप से बस नंबर 35-डी में चढ़े। एसएसपी कंवरदीप कौर खुद इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रही हैं और आरोपियों के रूट को ट्रेस करते हुए खरड़ तक पहुंचीं। पुलिस ने बस के कंडक्टर और ड्राइवर से कई घंटे पूछताछ की और पूरी बस की तलाशी भी ली। हालांकि बस से कोई संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ। हमले के दौरान सामने आए वीडियो में आरोपी के हाथ में हेलमेट देखा गया था। जांच में खुलासा हुआ कि यह पुलिस को गुमराह करने की साजिश थी ताकि यह लगे कि हमलावर बाइक पर आए थे जबकि हकीकत में दोनों पैदल ही मौके से भागकर बस में चढ़े थे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों के पास बस का पूरा किराया नहीं था। खरड़ तक का किराया 40 रुपये था लेकिन उनके पास केवल 20-20 रुपये के दो नोट थे। एक आरोपी ने बस में मौजूद एक युवक को गूगल पे के जरिये 40 रुपये ट्रांसफर किए और उससे नकद राशि लेकर टिकट लिया। यह ट्रांजेक्शन पुलिस के लिए अहम सुराग बना, जिससे आरोपियों के मोबाइल नंबर और बैंक डिटेल्स तक पहुंच बनाई गई।

CMYK